







डॉ. भीमराव अंबेडकर

जैसा कि आप सभी अचे हैं कि प्रत्येक वर्ष अर्पण भारत में 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को एक लिंगवर्ती परिवार में हुआ था। वह दक्षिण में और उस समय समाज में व्याप्त भेदभाव में लड़कर अपनी कलियोगिता के समाप्त अंबेडकर भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में चुने गए, उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में कानून और समाज और अग्रगण्यता के विकास किया।

अंबेडकर का कानून कर्मिण्डुको में रहा हुआ था, उसे जिन टैलेंट्स के कारण समाज का आनंद करता था। इसे स्वयं को देने में मना कर दिया गया था और अंबेडकर उच्च जाति के समाजों द्वारा बौरान किए जाते थे। परंतु, उन्होंने कभी भी हिंमत नहीं हारी।

अंबेडकर एक प्रतिभाशाली दाय के और उन्होंने अपने कानून की मदद में पढ़ने अगे शुरू की। उन्होंने 1917 में मंडे के प्रिंसिपल स्कूल में मैट्रिक की परीक्षा 1907 में अलमिस्टन प्रिंसिपल स्कूल में इयादि और 1912 में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अग्रेसर में डॉक्टरेट और अग्रगण्यता के किलियन लडाई लड़ी। उनका कहना है कि मैं एक छोटे जाति को जानता हूँ जो अतिव्यक्त समाजों और महेश्वरों प्रियता है। उन्होंने भारत के समाजों के समाज में ही महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अंबेडकर 1947 से 1960 तक भारत अंबेडकर को सात मन्त्र मंत्रालयों के मन्त्र, एक

स्वतंत्र सचिवालय के मन्त्रीय तैयार करने के लिए अग्रगण्य नियुक्त किए गए।

उनका जीवन भारत की एक समान और ल्पानापूर्ण

समाज को समर्पित था। कुरीतियों को दूर करने

के लिए ही उन्होंने समाज की जी चोणदान दिया

वह अर्हसनीय है। उन्हें द्रवितों का मशीन ही

महा जाता है।

मन्त्री वारे कि मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र